मराठा साम्राज्य (Maratha Empire)

1) शिवाजी महाराज का परिचय

2) शिवाजी के प्रमुख विजय अभियान

3) शिवाजी का प्रशासन

5) शिवाजी का मूल्यांकन

5) शिवाजी के उत्तराधिकारी

6) प्रमुख पेशवा

7) आंग्ल मराठा संघर्ष

8) मराठा असफलता के कारण

The Maratha Empire

1) Introduction to Shivaji Maharaj
2) Major Military Campaigns
3) Administration of Shivaji
4) Evaluation of Shivaji

5) Successors of Shivaji
6) Prominent Peshwas
7) Anglo-Maratha Conflicts
8) Causes of Maratha Decline

1) मराठा शक्ति (Maratha Power)

छत्रपति | Chhatrapati

- शिवाजी (संस्थापक) | Shivaji (Founder)
- संभाजी | Sambhaji
- राजाराम और ताराबाई (शिवाजी द्वितीय) | Rajaram and Tarabai (Shivaji II)
- शाहू | Sahu (1707-49)
- राजाराम द्वितीय | Rajaram II

पेशवा | Peshwa

- बालाजी विश्वनाथ | Balaji Vishwanath (1713-20)
- बाजीराव || Bajirao I (1720 – 40)
- बालाजी बाजीराव (नाना साहब) || Balaji Bajirao (Nana Saheb) - 1740-61
- माधवराव | Madhavrao (1761- 72)
- नारायण राव | Narayan Rao
- माधवराव नारायण द्वितीय | Madhavrao Narayan II
- बाजीराव द्वितीय (अंतिम) | Bajirao second (Last)

1) Maratha Power

Chhatrapati

- Shivaji (Founder)
- Sambhaji
- Rajaram and Tarabai (Shivaji II)
- Sahu (1707-49)
- Rajaram II

Peshwa

- Balaji Vishwanath (1713-20)
- Bajirao I (1720 – 40)
- Balaji Bajirao (Nana Saheb) - 1740-61
- Madhavrao (1761- 72)
- Narayan Rao
- Madhavrao Narayan II
- Bajirao second (Last)

2) परिचय (1627-80)

- जन्म :- 19 फरवरी 1627 (शिवनेर, जुन्नार, महाराष्ट्र)
- माता :- जीजाबाई
- पिता :- शाहजी भोंसले (बीजापुर शासक के कर्मचारी+शिवाजी को पुणे जागीर दी +सिसोदिया वंश से संबंधित)
- गुरु :- समर्थ गुरु रामदास
- संरक्षक :- दादा जी कोंडदेव

- राज्याभिषेक :
  - प्रथम – 6 जून 1674 (काशी पंडित विश्वेश्वरैया गंगाधर भट्ट, रायगढ़)
  - ब्रिटिश अधिकारी : हेनरी ऑक्सेंडेन (Bombay)
  - उपाधियाँ : छत्रपति, हिनदव धर्मोद्धारक,, गौ-ब्राह्मण प्रतिपालक, क्षत्रिय कुलवंतमसा, यवन प्रतिपीड़क
  - संवत् चलाया
  - हूण (स्वर्ण) तथा शेवराय (ताम्र) मुद्रा चलाई
  - रायगढ़ को राजधानी घोषित
  - सोयराबाई को राजमहिषी घोषित किया
- द्वितीय - 24 सितंबर 1674 (तांत्रिक निश्चल पुरी)

2) Introduction (1627-80)

- Birth :- 19th February 1627 (Shivneri, Junnar, Maharashtra)
- Mother :- Jijabai
- Father :- Shahaji Bhonsle (Officer under the Bijapur ruler + Granted Pune jagir to Shivaji + Associated with the Sisodia dynasty)
- Guru : Samarth Guru Ramdas
- Guardian : Dadaji Konddev
- Coronation :
  - First- 6th June 1674 (Conducted by Kashi Pandit Vishweshwaraya Gangadhar Bhatt, Raigad)
  - British Official : Henry Oxenden (Bombay)
  - Titles: Chhatrapati, Hindava Dharmoddharak, Protector of Cows and Brahmins, Kshatriya Kulavantas, Oppressor of Yavanas
  - Introduced a new calendar era
  - Introduced Hon (gold) and Shivrai (copper) coins
  - Declared Raigad as the capital
  - Proclaimed Soyrabai as the Queen Consort
- **Second** - 24th September 1674 (Conducted by Tantric Nischal Puri)

¤ **शिवाजी महाराज के प्रमुख विवाह**

- सईबाई निंबालकर : 1640, लाल महल (पुणे : पुत्र: संभाजी)
- सोयराबाई (पुत्र: राजाराम)
- पुतळाबाई : 1674 (राज्याभिषेक के बाद + सती हो गईं)

¤ मृत्यु : 3 अप्रैल 1680 (रायगढ़ किला, महाराष्ट्र), ज्वर

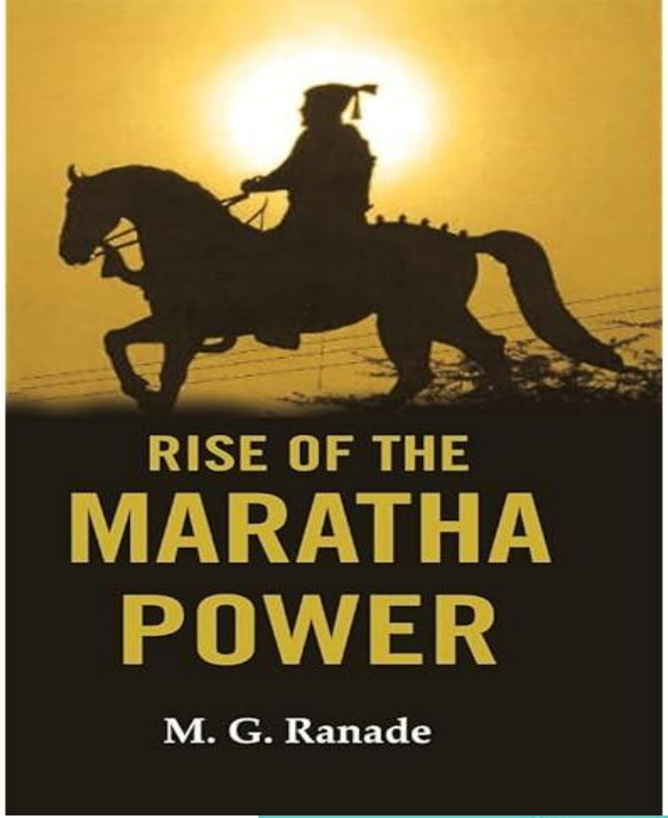

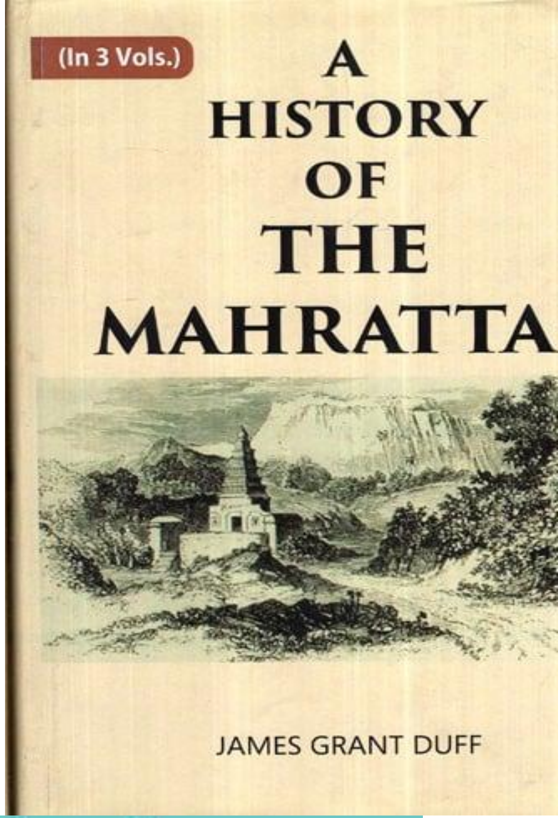

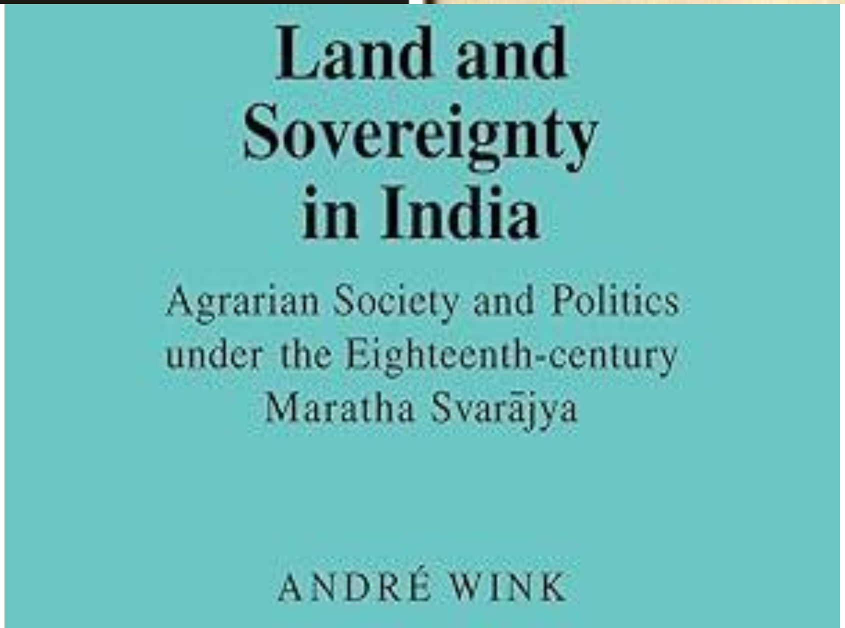

- Major Marriages of Shivaji Maharaj
  - Saibai Nimbalkar : 1640, Lal Mahal (Pune: Son: Sambhaji)
  - Soyrabai (Son: Rajaram)
  - Putalabai : 1674 (1674 (After coronation + Became Sati)
- Death : 3rd April 1680 (Raigad Fort, Maharashtra), Fever

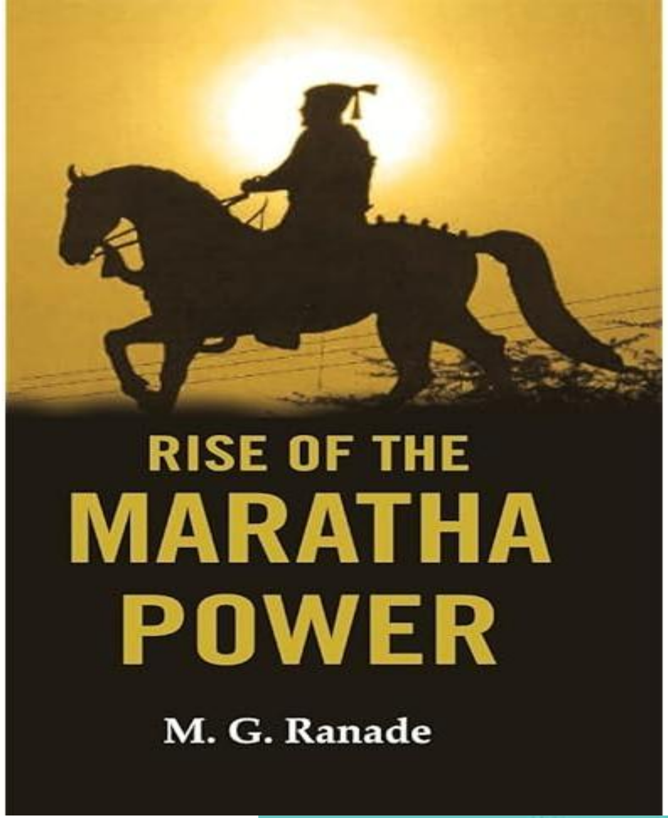

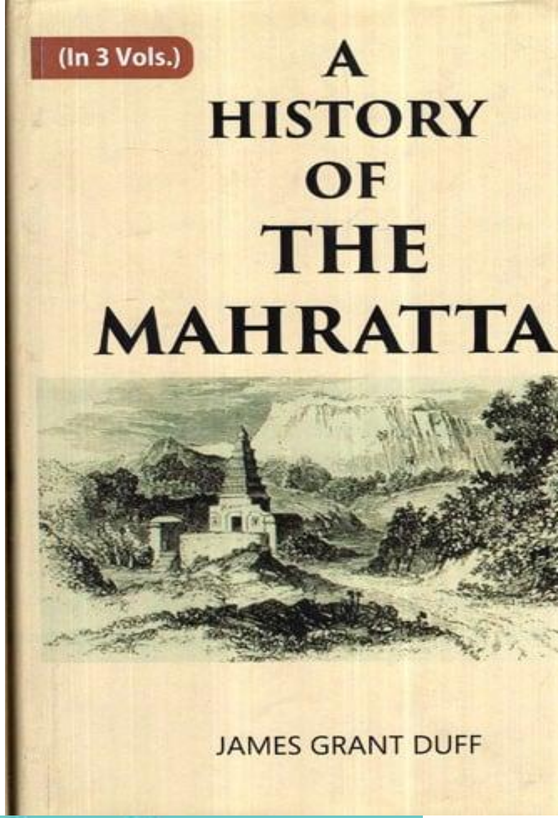

- *Shivaji's Soldiers: Mavli*
- *Shivaji's 03 swords : Bhavani, Jagadamba, and Tulja.*

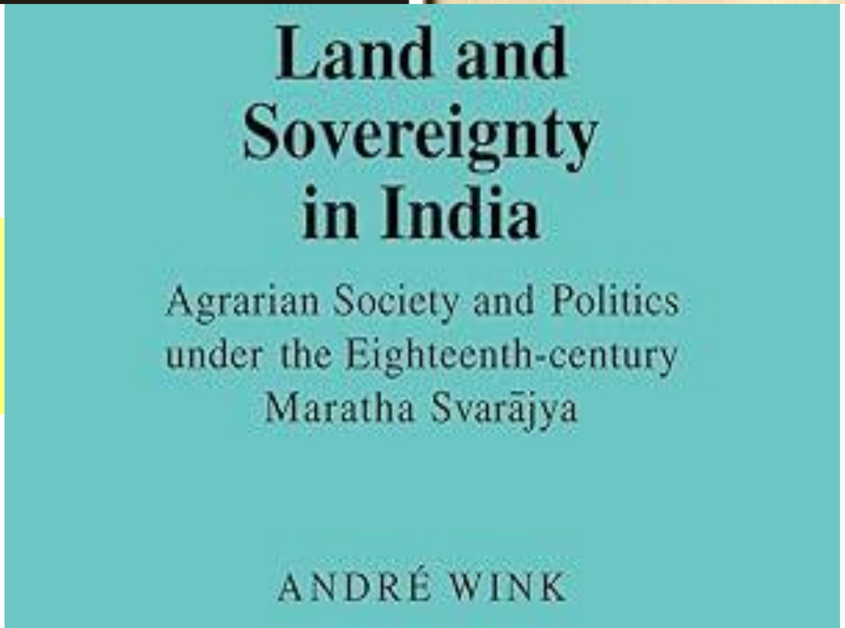

- मराठा साम्राज्य के महान शासक छत्रपति शिवाजी महाराज की आठ पत्नियां थीं।
- 1640 में उनकी पहली शादी सईबाई निंबालकर से हुई थी। इनकी ही संतान संभाजी महाराज थे।
- उनकी दूसरी पत्नी का नाम सोयराबाई मोहिते था, तीसरी पत्नी का नाम राणीसाहेब पुतला बाई भोसले, चौथी पत्नी सकवरबाई, पांचवीं पत्नी राजकुंवर बाई, छठवीं पत्नी काशीबाई, सातवीं पत्नी लक्ष्मीबाई और आठवीं पत्नी गुंवांताबाई थीं।
- शिवाजी महाराज की चार संताने थीं और सबसे बड़े बेटे संभाजी महाराज उनके उत्तराधिकारी बने थे।

- The great ruler of the Maratha Empire, Chhatrapati Shivaji Maharaj, had eight wives.
- His first marriage was to Saibai Nimbalkar in 1640. Sambhaji Maharaj was their son.
- His second wife was Soyrabai Mohite, his third wife was Ranisaheb Putala Bai Bhosle, fourth wife Sakwarbai, fifth wife Rajkunwar Bai, sixth wife Kashibai, seventh wife Lakshmibai, and eighth wife Gunwantabai.
- Shivaji Maharaj had four children, and his eldest son Sambhaji Maharaj became his successor.

2) शिवाजी महाराज का शासनकाल

बीजापुर से संघर्ष (1646-60)

- तोरण
- कोण्डना दुर्ग
- जावली क्षेत्र
- अफजल खां का वध
- पन्हाला अभियान

मुगलो से संघर्ष (1657-74)

- शाइस्ता खाँ
- सूरत की प्रथम लूट
- पुरन्दर संधि
- आगरा
- मुगलो से पुनः संघर्ष

स्वतंत्र शासन (1674-80)

- 1674 : दो बार राज्याभिषेक
- कर्नाटक विजय

2) The Reign of Shivaji Maharaj

Conflict with Bijapur (1646-60)

- Torna
- Kondana Fort
- Javli Region
- Assassination of Afzal Khan
- Panhala Campaign

Conflict with the Mughals (1657-74)

- Shaista Khan
- First Sack of Surat
- Treaty of Purandar
- Agra
- Renewed Conflict with the Mughals

Independent Rule (1674-80)

- 1674: Two Coronations
- Conquest of Karnataka

3) शिवाजी महाराज के प्रमुख विजय अभियान

1) प्रारंभिक विजय (1643-1656)

2) कोंकण विजय (1657)

3) अफजल खा की हत्या (1659)

4) शाइस्ता खां से संघर्ष (1663)

5) सूरत की प्रथम लूट (1664)

6) जयसिंह और पुरंदर संधि (11 जून 1665)

7) सूरत की द्वितीय लूट (1670)

8) राज्याभिषेक (6 जून 1674)

9) राज्याभिषेक के उपरांत (1678)

3) Major Military Campaigns of Shivaji Maharaj

1) Early Conquests (1643-1656)
2) Conquest of Konkan (1657)
3) Assassination of Afzal Khan (1659)
4) Conflict with Shaista Khan (1663)
5) First Sack of Surat (1664)
6) Jai Singh and Treaty of Purandar (11th June 1665)
7) Second Sack of Surat (1670)
8) Coronation (6th June 1674)
9) Post-Coronation Period (1678)

1646	तोरण का किला (प्रचंडगढ़)	○ बीजापुर के आदिलशाही राज्य के विरुद्ध ○ पहला किला : शिवाजी महाराज ने 16 वर्ष की अल्पायु में विजय प्राप्त
1647	कोंडाणा (सिंहगढ़)	○ आदिलशाही वंश के अधिकारी सिद्दी अंबर
1648	पुरंदर	
1656	जावली (सतारा)	○ जावली अभियान : प्रतापगढ़ के किले का निर्माण : कोयना और नीरा नदियों ○ प्रधानमंत्री मोरोपंत पिंगले और वास्तुकार हिरोजी इंदुलकर ने करवाया
1656	रायगढ़ (राजधानी)	○ चंद्रराव मोरे से रायरी के किले पर कब्ज़ा कर लिया।
1659	अफजल खां की हत्या (प्रतापगढ़)	○ अफजल खां : बीजापुर सुल्तान (अली आदिल शाह II) का सेनापति ○ 1654 में शिवाजी के बड़े भाई संभाजी की हत्या में भी अफ़ज़ल ख़ाँ का हाथ था ○ अफजल खान के दूत कृष्णाजी भास्कर तथा शिवाजी के दूत पंतोजी गोपीनाथ ○ शिवाजी ने वाघनख के वार से अफजल खाँ को मार डाला
1663	शाइस्ता ख़ाँ (पुणे का लाल महल)	○ शाइस्ता ख़ाँ : औरंगज़ेब के मामा और दक्कन का सूबेदार ○ शाहजहां (दक्कन का सूबेदार औरंगजेब,1657) : शिवाजी का अहमदनगर और जुन्नेर पर आक्रमण

1646	Torna Fort (Prachandgad)	○ Against the Adilshahi Kingdom of Bijapur ○ First Fort : Captured by Shivaji Maharaj at the young age of 16
1647	Kondana (Sinhagad)	○ Siddi Amber, an officer of the Adilshahi dynasty
1648	Purandar	
1656	Javli (Satara)	○ Javli Campaign : Construction of Pratapgad Fort: Between Koyna and Neera rivers ○ Commissioned by Prime Minister Moropant Pingle and architect Hiroji Indulkar
1656	Raigad (Capital)	○ Captured Rairi Fort from Chandrarao More.
1659	Assassination of Afzal Khan (Pratapgad)	○ Afzal Khan: Commander of the Bijapur Sultan (Ali Adil Shah II) ○ Afzal Khan was also involved in the murder of Shivaji's elder brother Sambhaji in 1654 ○ Afzal Khan's envoy Krishnaji Bhaskar and Shivaji's envoy Pantoji Gopinath ○ Shivaji killed Afzal Khan with a strike using tiger claws (Bagh Nakh)
1663	Shaista Khan (Lal Mahal of Pune)	○ Shaista Khan : Aurangzeb's maternal uncle and Governor of the Deccan ○ Shah Jahan (Aurangzeb as Governor of Deccan, 1657): Shivaji's attack on Ahmadnagar and Junnar

1664	सूरत की प्रथम लूट	○ 6–10 जनवरी 1664 : मुगल (इनायत खाँ) व पुर्तगालियों को लूट ○ अंग्रेज अधिकारी जॉर्ज ऑक्सेंडेन और लैस्कलेट द्वारा वर्णन ○ 1670 : द्वितीय लूट
1665	पुरंदर की संधि	○ 11 जून 1665 : राजा जयसिंह कछवाहा + शिवाजी महाराज ○ इतालवी लेखक और तोपची : निकोलाओ मानुची
1666	जयपुर भवन	○ मई 1666 : शिवाजी अपने पुत्र संभाजी के साथ आगरा गए तथा औरंगजेब के दरबार में पहुंचे ○ औरंगजेब ने आगरा के जयपुर भवन में राम सिंह के संरक्षण में कैद किया ○ अगस्त 1666 : शिवाजी कैद से भाग गए ○ औरंगजेब ने 1666 में शिवाजी को राजा की उपाधि की पेशकश की
1670	कोंडाणा (सिंहगढ़)	○ शिवाजी के श्रेष्ठ सेनापति : तानाजी मालुसरे - युद्ध के दौरान वे शहीद ○ शिवाजी—"गढ़ आला पण सिंह गेला"(किला तो आ गया, लेकिन मेरा सिंह चला गया) ○ शिवाजी ने कोंडाणा का नाम बदलकर "सिंहगढ़" रखा –तानाजी के सम्मान में।
1673	पन्हाला दुर्ग	○ बीजापुर के आदिलशाही वंश से

1664	First Sack of Surat	○ 6-10 January 1664 : Plundered the Mughals (Inayat Khan) and the Portuguese ○ Described by English officials George Oxenden and Lascelles ○ 1670 : Second Sack
1665	Treaty of Purandar	○ 11th June 1665 : Raja Jai Singh Kachhwaha + Shivaji Maharaj ○ Italian writer and gunner: Niccolao Manucci
1666	Jaipur Bhavan	○ May 1666 : Shivaji went to Agra with his son Sambhaji and appeared in Aurangzeb's court ○ Aurangzeb imprisoned him in Jaipur Bhavan in Agra under the custody of Ram Singh ○ August 1666: Shivaji escaped from captivity ○ Aurangzeb offered Shivaji the title of Raja in 1666
1670	Kondana (Sinhagad)	○ Shivaji's finest commander: Tanaji Malusare - martyred during the battle ○ Shivaji said: "Gadh ala pan sinh gela" (The fort is won, but my lion is gone) ○ Shivaji renamed Kondana as "Sinhagad" in honor of Tanaji.
1673	Panhala Fort	○ From the Adilshahi dynasty of Bijapur

1678	जिंजी	○ शिवाजी का कर्नाटक प्रवेश (1676-1678) ○ “दक्षिण का जिब्राल्टर” ○ छत्रपति शिवाजी महाराज का **अंतिम अभियान**

फरवरी 1672 : साल्हेर का युद्ध

- **मुगल सेना पर मराठों की विजय**

- **11 जून 1665 ई को पुरन्दर की संधि हो गयी -**
  - ✓ शिवाजी ने अपने **35 किलों में से 23 किले** मुगलों को दे दिए,
  - ✓ पुत्र **शम्भाजी को 5000 का मनसब**
  - ✓ शिवाजी ने बीजापुर के सुल्तान के विरुद्ध मुगल सम्राट को सहायता देने का वचन दिया
  - ✓ शिवाजी ने मुगल सम्राट को **13 किस्तों में कुल 40 लाख हूण** देने पर सहमति व्यक्त की।
  - ✓ मुगलों ने शिवाजी के बीजापुर-नियंत्रित कोंकण और बालाघाट प्रांतों पर शासन को स्वीकार कर लिया। इन क्षेत्रों से क्रमशः 4 लाख हूण और 5 लाख हूण का वार्षिक राजस्व ।

- ► **औरंगजेब : जय सिंह और दिलेर खान**
- ► **शिवाजी + मुरारबाजी देशपाण्डे**

- शिवाजी अपने पुत्र शंभाजी के साथ मुगल दरबार में उपस्थित + पंचहजारी मनसब की श्रेणी में खड़ा किया गया
- शिवाजी ने कूटनीति का सहारा लिया तथा फल की टोकरी में बैठकर भाग निकले

1678	**Gingee**	○ **Shivaji's entry into Karnataka (1676-1678)** ○ **"The Gibraltar of the South"** ○ **Chhatrapati Shivaji Maharaj's final campaign**	*Battle of Salher : February 1672* *A decisive victory for the Marathas over the Mughal army*

- ▶ *Aurangzeb: Jai Singh and Diler Khan*
- ▶ *Shivaji + Murar Baji Deshpande*

- The Treaty of Purandar was concluded on 11th June 1665 -
  - ✓ Shivaji surrendered 23 out of his 35 forts to the Mughals,
  - ✓ His son Shambhaji was granted a mansab of 5000
  - ✓ Shivaji pledged to assist the Mughal Emperor against the Sultan of Bijapur
  - ✓ Shivaji agreed to pay the Mughal Emperor a total of 40 lakh Hons in 13 installments.
  - ✓ The Mughals accepted Shivaji's rule over the Bijapur-controlled Konkan and Balaghat provinces. These regions yielded annual revenues of 4 lakh Hons and 5 lakh Hons respectively.
- Shivaji appeared in the Mughal court with his son Shambhaji and was made to stand in the category of five-thousand-rank mansabdars
- Shivaji resorted to diplomacy and escaped by sitting in a basket of fruits

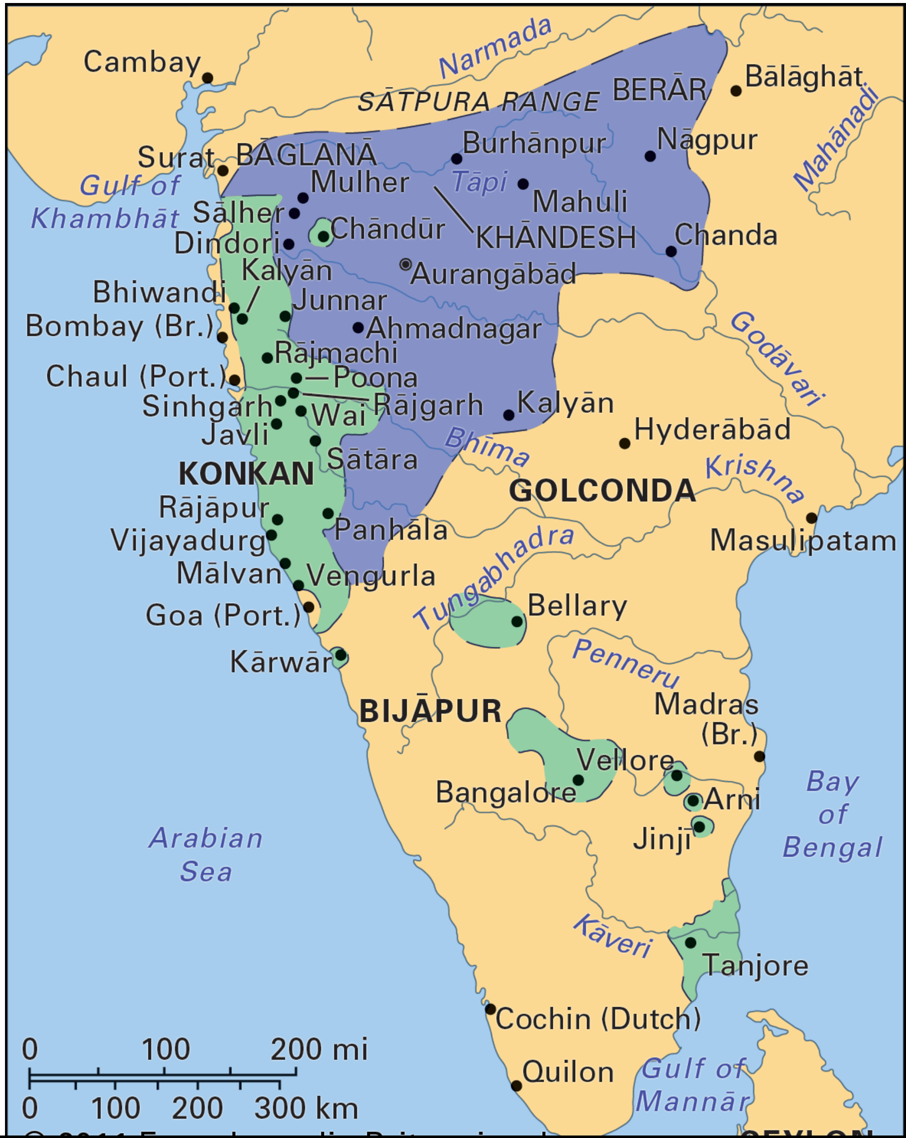

बाजीप्रभु पाण्डे : मराठा इतिहास के एक अद्वितीय, वीर, वफादार योद्धा—जिनका बलिदान “गश्ती दर्रा” (घोड़ा दरवाजा / पावन खिंड - 1660) की लड़ाई में अमर हुआ।

4) शिवाजी का प्रशासन

1) परिचय
2) अष्टप्रधान
3) प्रांतीय
4) राजस्व
5) सैन्य
6) न्याय

4) Administration of Shivaji Maharaj

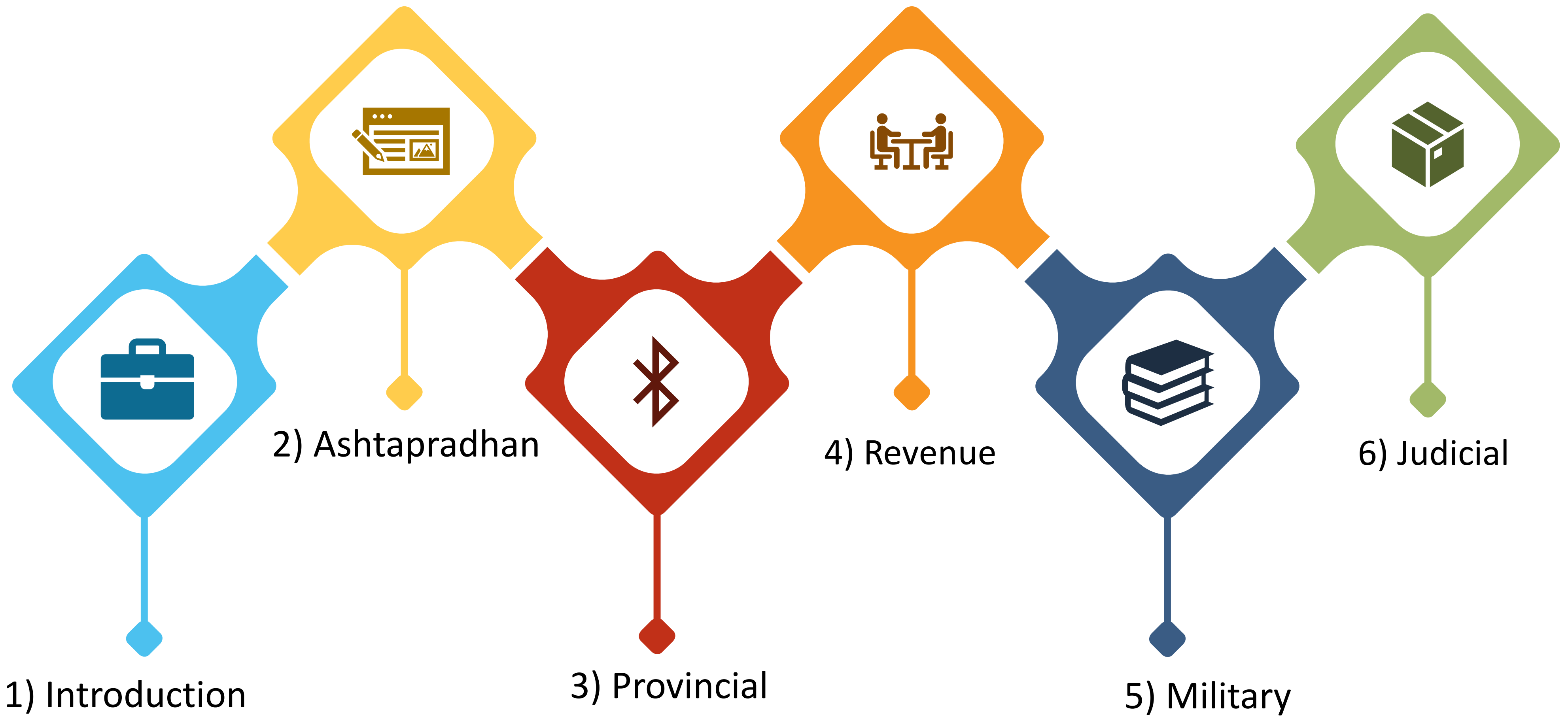

A) सामान्य प्रशासन

सर्वोच्च → **छत्रपति**

↓ **सलाहकारी परिषद**

अष्ट प्रधान

- नकद वेतन
- सीधे छत्रपति को रिपोर्ट
- आनुवंशिक नहीं, योग्यता के आधार
- शंभाजी द्वारा समाप्त
- मध्ययुगीन राजतंत्र की अनोखी घटना
- सलाह, बाध्यकारी नहीं

- सेनापति के अलावा सभी ब्राह्मण
- पंडितराव और न्यायाधीश के अतिरिक्त, अन्य सभी अष्टप्रधान को सैन्य कार्य करने होते थे

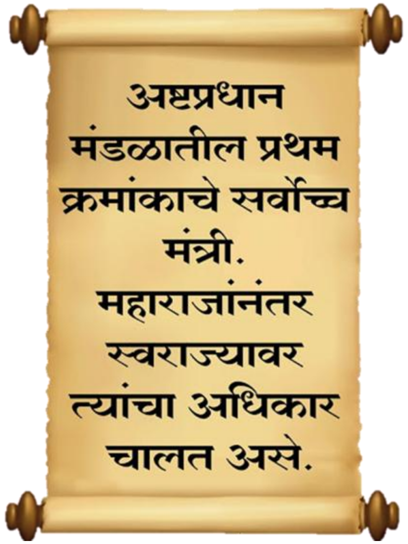

A) General Administration

Supreme Authority → **Chhatrapati**

↓ **Advisory Council**

Ashta Pradhan

- Cash salary
- Reported directly to Chhatrapati
- Not hereditary, based on merit
- Abolished by Shambhaji
- Unique phenomenon in medieval monarchy
- Advisory, not binding

- All Brahmins except the Senapati
- Except Panditrao and Judge, all other Ashta Pradhan had to perform military duties

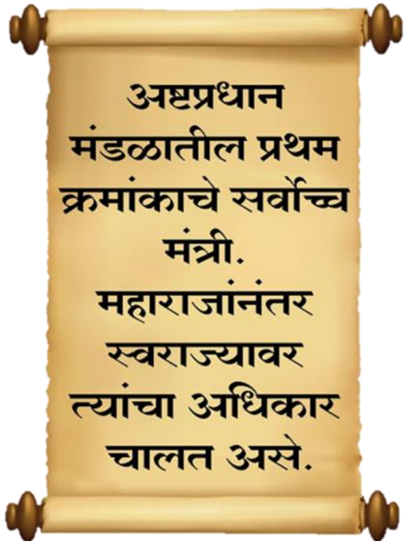

1) पेशवा (प्रधानमंत्री) :- मोरोपंत पिंगले

- राज्य का प्रशासन
- राजा की अनुपस्थिति में उसके कार्यों
- प्रथम - मोरोपंत पिंगले

2) अमात्य (पन्त व मजुमदार) :- रामचंद्रपंत नीलकंठ

- यह वित्त एवं राजस्व मंत्री होता था।
- आय-व्यय के सभी लेखों की जाँच करना

3) वाकियानवीस (मंत्री) :- दत्ताजी पंत

- सूचना, गुप्तचर एवं सन्धि-विग्रह
- गृहमंत्री की भाँति होता था।

4) सुमंत (दबीर) :- रामचंद्र त्र्यंबक

- यह राज्य का विदेश मंत्री होता था।

5) सचिव/चिटनिस/शुरूनवीस :- अन्नाजी दत्तो

- राजकीय पत्राचार
- मुख्य कार्य - राजकीय पत्रों की भाषा, शैली की जाँच करना

6) सेनापति (सर-ए-नौबत) :- हब्बीर राव मोहिते

- सैन्य प्रधान सेना की भरती, संगठन, अनुशासनं
- प्रथम - हब्बीर राव मोहिते

7) पण्डितराव (सद्र) :- रघुनाथ राव पंडित

- धार्मिक कार्यो की देखरेख
- धार्मिक कार्यों के लिए दिये जाने वाले अनुदानों का दायित्व

8) न्यायाधीश :- निराजी पंत

- न्याय विभाग का प्रधान।
- मुख्य कार्य - फौजदारी और दीवानी मुकदमों की सुनवाई तथा राज्य में न्याय और कानून की व्यवस्था का रखरखाव

1) Peshwa (Pantpradhan) :-

- Prime Minister responsible for overseeing the entire administration.
- First - Moropant Pingle

2) Amatya (Pant or Mazumdar) :-

- Minister of Finance and Revenue
- Check all accounts of income and expenditure

3) Waqia-Navis (Mantri) -

- Interior Minister, overseeing internal affairs and intelligence
- Home minister of the present time.

4) Sumant or Dabir :-

- Foreign Minister

5) Chitnis (Shurunavis or Sacheev) :-

- Personal Secretary to the Chhatrapati
- Senior writer and correspondence

6) Senapati (Sari-i-Naubat) :-

- Commander-in-Chief,
- Recruitment, organization, discipline of army etc.

7) Panditrao (Sadr) :-

- High Priest
- Responsibility of grants given for religious works

8) Nyay Adhyaksh -

- Chief Justice
- Hearing of criminal and civil cases and maintenance of justice and law and order in the state

क्र	नाम	कार्य
1	पेशवा	प्रधान मंत्री
2	सर-ए- नोबत	सेनापति
3	अमात्य	वित्त एवं राजस्व मंत्री
4	वाक्यन्वीस (मंत्री)	सूचना मंत्री, गुप्तचर विभाग
5	चिटनीस	चिट्ठी/डाक विभाग का कार्यालय
6	सुमंत	विदेश मंत्री
7	पंडित राव	धार्मिक मंत्री
8	न्यायाधीश	न्यायालय से संबंधित

N	Name	Work
1	Peshwa	Prime minister
2	Sar-i-Naubat	Chief of armed forces
3	Majumdar /Amatya	Finance, Revenue , Accounts
4	Waqia-Navis	Information Minister, Intelligence Department
5	Sachiv/ Surunavis /Chitnis	Letter / Royal Correspondence
6	Dabir /Sumant	Foreign Affairs
7	Pandit Rao	Religious affairs and Charities
8	Nayayadhish	Justice

B) प्रमुख अधिकारी एवं प्रशासनिक इकाइयां

- **दीवान** - सचिव
- **मजूमदार** - लेखाकार
- **फड़निस** - उप लेखा परिक्षक
- **दफ्तरदार** - कार्यालय प्रभारी
- **कारखानिस** - रसद अधिकारी
- **चिटनिस** - पत्राचार
- **जमादार** - खजांची
- **पोटनिस** - रोकड़िया

यह आठों अधिकारी, प्रत्येक प्रान्त में सर-सूबेदार के अधीन

- **मराठा साम्राज्य (छत्रपति)**
- **04 प्रान्त (सर ए सूबेदार)**
- **परगना - मामलातदार**
- **महाल (सरहवलदार)**
- **तर्फ (हवलदार)**
- **मौज (कारकुन)**
- **ग्राम (पाटिल)**

जमींदार वर्ग : देशपाण्डे +देशप्रमुख

B) Key Officials and Administrative Units

- **Diwan** - Secretary
- **Majumdar** - Accountant
- **Fadnis** - Deputy Auditor
- **Daftardar** - Office In-charge
- **Karkhanis** - Logistics Officer
- **Chitnis** - Correspondence
- **Jamadar** - Treasurer
- **Potnis** - Cashier

These eight officials were under the Sar-e-Subedar in each province

Zamindar : Deshpande + Deshpramukh

Maratha Empire (Chhatrapati)

4 Provinces (Sar-e-Subedar)

Pargana - Mamalatdar

Mahal (Sarhavaldar)

Tarf (Havaldar)

Mauje (Karkun)

Village (Patil)

C) राजस्व प्रशासन

स्वराज

मराठा प्रांत (पूर्ण अधिकार)

भूराजस्व (व्यवस्था)

- मलिक अंबर + अन्नाजी दत्ते
- तकावी ऋण + ठेके पर देने की प्रथा समाप्त
- रैयतवाड़ी : किसानों (रैयत) को मालिकाना हक - 33% से 40 % (नकद व अनाज)
- कटही (काठी) का प्रयोग करके भूमि मापन

मुल्क – ए - क़दीम

अन्य शासको (मुगलों+आदिलशाही) के

भाग

C) Revenue Administration

Swaraj

Maratha Province (Full Authority)

Land Revenue (System)

- Malik Ambar + Annaji Datte
- Taccavi loans + abolished contract system
- Ryotwari: Ownership rights to farmers (Ryots) – 33% to 40% (cash and grain)
- Land measurement using Kathi (measuring rod)

Mulk-e-Kadim

Territories of other rulers (Mughals + Adilshahi)

Chauth and Sardeshmukhi

D) चौथ व सरदेशमुखी

चौथ (खानदानी)

मुल्क-ए-कादिमी - बाहरी क्षेत्र

उस राज्य के कुल भू राजस्व का **1/4**

- **मोकास - 66% - सरदार**
- **बावती - 25% - छत्रपति**
- **सहोत्रा - 6% - पंत**
- **नालगोंडा - 3% - सचिव**

- मराठा व अन्य से सुरक्षा
- अधिकारी - कामविशदार
- VA स्मिथ - डाकू राज्य

- **पंजाब में राखी प्रणाली**
- **गुजरात में बंठ कर**

सरदेशमुखी

ऐसे बाहर क्षेत्र जिन पर शिवाजी अपना वंशानुगत अधिकार मानते थे।

चौथ का 1/10 भाग (अतिरिक्त)

अधिकारी : गुमाश्ता

सिंहासन पट्टी/मीरासपट्टी :- राज्याभिषेक के समय , शिवाजी जमींदारों (देशमुख/ देशपाण्डे) से वसूला गया)

D) Chauth and Sardeshmukhi

Chauth (Traditional)

Mulk-e-Kadimi - External territories

1/4 of the total land revenue of that state

- Protection from Marathas and others
- Officer - Kamvishadar
- V.A. Smith - Robber State

- **Mokas - 66% - Sardar**
- **Bavati - 25% - Chhatrapati**
- **Sahotra - 6% - Pant**
- **Nalgonda - 3% - Secretary**

- **Rakhi system in Punjab**
- **Banth Kar in Gujarat**

Sardeshmukhi

External territories on which Shivaji claimed hereditary rights

1/10th of Chauth (additional)

Officer : Gumashta

Singhasan Patti/Miras Patti :- **Collected by Shivaji from landlords (Deshmukh/Deshpande) at the time of coronation**

E) न्याय प्रशासन

1) **राजभाषा** → **मराठा**

- मराठी शब्दकोष : **राज व्यवहार (रघुनाब हनुमत्ते)**
- कायस्थ धर्म प्रतिपालक न्याय + मनुस्मृति

2) **संरचना**
- छात्रपति
- हुजूर-हाजिर - मजलिस (न्यायधीश)
- पटेल (ग्रामीण)

F) धार्मिक नीति

1) मस्जिदों में रोशनी जलाने के व्ययन हेतु जमीन अनुदान दिया जाता था ।
2) युद्ध अभियान के दौरान मस्जिदों को नुकसान नहीं पहुँचाने का आदेश
3) किसी को भी मजबूरन दास न बनाया जाए
4) **तुलजा भवानी** आराध्य देवी थी।
5) शिवाजी का नाम, **शिवनेरी माता** के आधार पर

E) Judicial Administration

1) **Official Language** → **Marathi**

- Marathi Dictionary: **Raj Vyavahar (Raghunab Hanumathe)**
- Kayastha Dharma Pratipalak Justice + Manusmriti

2) **Structure**
- → Chhatrapati
- → Huzur-Hazir - Majlis (Judge)
- → Patel (Rural)

F) Religious Policy

1) Land grants were given for lighting expenses in mosques
2) Orders not to damage mosques during military campaigns
3) No one should be forcibly enslaved
4) Tulja Bhavani was the presiding deity
5) Shivaji's name was based on Shivneri Mata

F) सैन्य प्रशासन

1) अत्यंत कठोर अनुशासन + नकद वेतन

2) सेना के भाग :-

※ **दुर्ग व गुरिल्ला प्रणाली** ⟶ मलिक अम्बर से प्रेरित

अधिकारी ⟶ सिबनिस, हवालदार, सर-ए-नौबत

※ **पाइक (पैदल सेना)** ⟶ सर-ए-नौबत (सभी धर्म)

※ **पागा (घुड़सवार सेना)** ⟶ सिलेदार (स्वयं के घोडे) व बरगीर

※ **नौ सेना**
- कोलाबा (मुख्य) + कल्याण + भिवण्डी
- अधिकारी : कान्होजी आंग्रे, मायनाक भंडारी, दार्या सारंग वेंतजी और दौलत ख़ाँ
- युद्ध पोत ⟶ गुराब, गालबात, शिराब व मंचुआ

सरंजामी प्रथा : सैनिक सेवाओं के बदले भूमि-अनुदान

सिद्दी इब्राहिम खान : राजा जीजीभाई भोसले द्वारा दिया गया तोपखाने का प्रमुख

- **शिवाजी के सैनिक : मावली**
- **शिवाजी महाराज की तीन प्रसिद्ध तलवारें : भवानी, जगदम्बा और तुलजा**

गुरिल्ला युद्ध प्रणाली में महारत

F) Military Administration

1) Extremely strict discipline + Cash salary

2) Parts of Army :-

※ Fort and Guerrilla System ⟶ Inspired by Malik Amba

Officers ⟶ Sibnis, Havaldar, Sar-e-Naubat

※ Paik (Infantry) ⟶ Sar-e-Naubat (all religions)

※ Paga (Cavalry) ⟶ Siledar (own horses) and Bargir

※ Navy
- Kolaba (main) + Kalyan + Bhivandi
- Officers: Kanhoji Angre, Maynak Bhandari, Darya Sarang Wentji and Daulat Khan
- Daulat KhanWarships ⟶ Gurab, Galbat, Shirab and Manchua

Saranjami system: Land grants in exchange for military services

- *Shivaji's soldiers: Mavali*
- *Shivaji Maharaj's three famous swords: Bhavani, Jagdamba and Tulja*

Mastery in guerrilla warfare system

Siddi Ibrahim Khan: Chief of artillery given by Raja Jijibhai Bhosale

किला प्रशासन

किल्लेदार (Kille–dar)	किले का मुख्य प्रभारी
शिबंदी नायक / हवालदार (Havaldar / Shibandi Nayak)	आंतरिक सुरक्षा
सबनीस (Sabnis)	आर्थिक प्रशासन
कारखानीस (Karkhanis)	शस्त्रागार, गोला-बारूद, रसद-सामग्री व भंडारगृह का प्रबंधन।
सरनौबत (Sarnobat)	किले या क्षेत्र की संपूर्ण सैन्य कमान ; युद्धनीति और सैनिक

ग्रामीण प्रशासन

पटेल (Patil)	मुख्य प्रभारी
कुलकर्णी (Kulkarni)	गाँव का मुख्य लेखाकार
चौगुले	पटेल की सहायता करता
पोतदार	सिक्कों के निर्धारित भार
12 बलूटे (शिल्पी) तथा 12 अलूटे (सेवक) चौकीदार (जाग्ला) : अपराधियों के पता लगाने का काम	

Fort Administration

Kille–dar	Chief in-charge of the fort
Havaldar / Shibandi Nayak	Internal security
Sabnis	Economic administration
Karkhanis	Management of arsenal, ammunition, supplies, and storehouses
Sarnobat	Complete military command of fort or region; war strategy and military operations

Rural Administration

Patil	Chief in-charge
Kulkarni	Village's chief accountant
Chaugule	Assisted the Patel
Potdar	Prescribed weight of coins
12 Balutedars (artisans) and 12 Alutedars (servants) Chowkidar (Jagla): Responsible for tracking criminals	

1) **पूना में स्थित पेशवा का सचिवालय (हजूर दफ्तर)** मराठा प्रशासन का केन्द्र
2) कोतवाल : नगर का मुख्य प्रशासक
3) मिरासदार भोंसले : स्थायी भूस्वामित्व
4) उपरिस : बटाईदार भूस्वामी
5) **सरंजामी प्रथा :** सैनिक सेवाओं के बदले सैन्य सरदारों व अधिकारियों को जो भूमि-अनुदान
6) **पिंडारी, पाल पट्टी नामक कर वसूल** करने के बदले में मराठा सेना के प्रत्येक अभियान में उनके साथ जाते थे।
   - सरकार को 25% हिस्सा

5) शिवाजी के उत्तराधिकारी

- शिवाजी (1674-80)
- शम्भाजी (1680-89)
- राजाराम (1689-1700)
- ताराबाई / शिवाजी II (1700-07)
- शाहू (1708-49)
- राजाराम द्वितीय (1749-50)
- अंतिम छत्रपति : शाहजी अप्पासहेब

1) **The Peshwa's secretariat in Pune (Huzur Daftar)** was the center of Maratha administration
2) Kotwal: Chief administrator of the city
3) Mirasdar Bhonsle: Permanent landowner
4) Upari: Sharecropper landowner
5) **Saranjami System**: Land grants to military chiefs and officers in exchange for military services
6) **Pindaris accompanied every Maratha** military campaign in exchange for collecting taxes called Pal Patti
   - 25% share to the government

5) Successors of Shivaji

- Shivaji (1674-80)
- Sambhaji (1680-89)
- Rajaram (1689-1700)
- Tarabai/Shivaji II (1700-07)
- Shahu (1708-49)
- Rajaram II (1749-50)
- Last Chhatrapati: Shahaji Appasaheb

NOTE

शाहजी भोंसले एवं जीजाबाई

↓

छत्रपति शिवाजी (1627-80) ❶

↓

पत्नी

- **साइबाई निम्बालकर**
  - पुत्र
  - ❷ **शम्भाजी** (1680-80)
  - पत्नी - येशुबाई
    - पुत्र
    - ❺ **शाहूजी** (1708-49)
    - राजधानी - सतारा
- **सोयराबाई**
  - पुत्र
  - ❸ **राजाराम** (1689-1700)
  - पत्नी
    - **ताराबाई** (कोल्हापुर)
      - पुत्र
      - ❹ **शिवाजी II** (1700-1707)
        - पुत्र
        - ❻ **राजाराम II** (1749-77)
    - **राजसबाई**
      - पुत्र
      - **शम्भाजी II** (1707-1749)
- **पुतलीबाई** (सती हो गयी)

NOTE

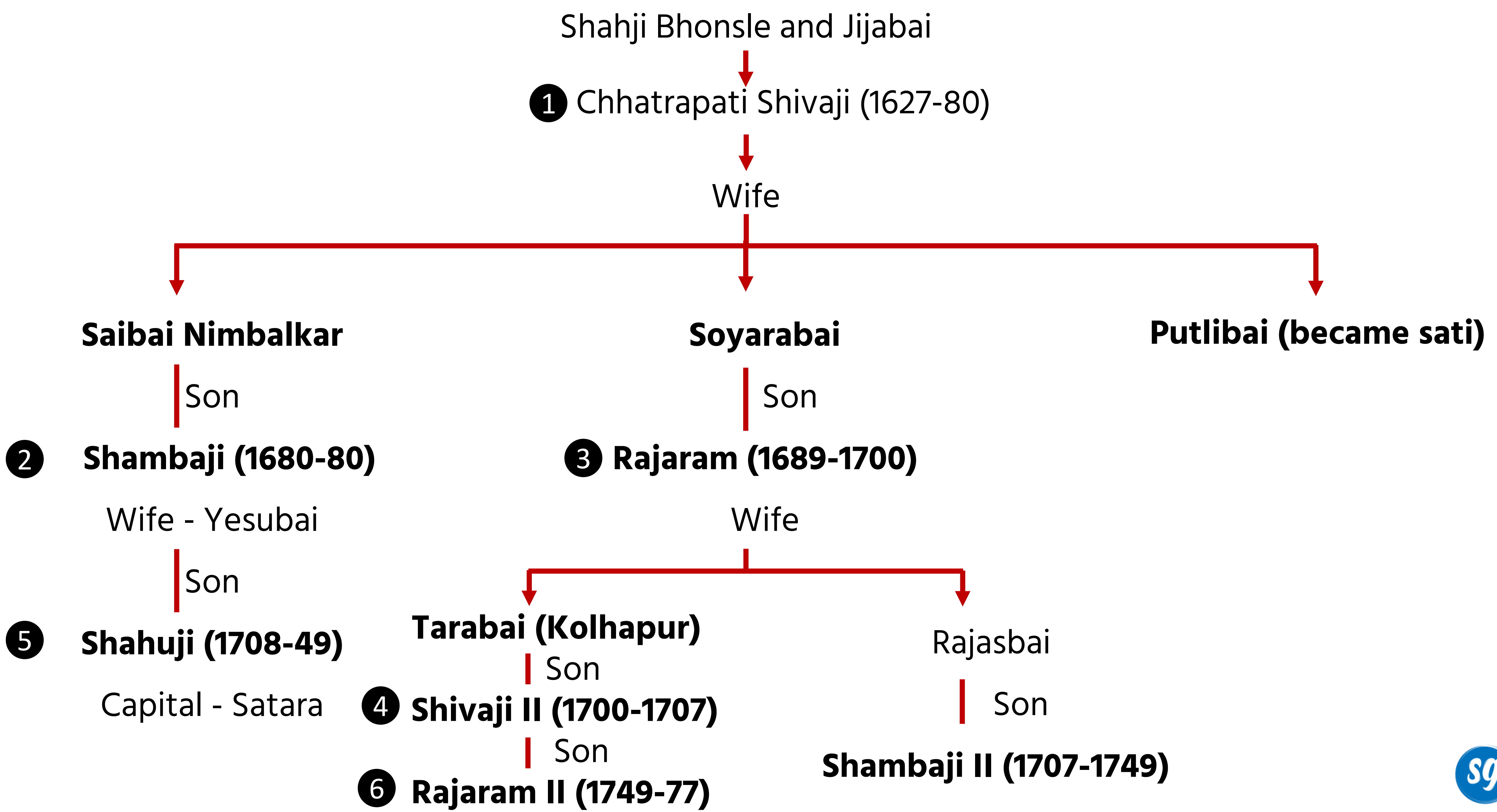

Shahji Bhonsle and Jijabai
1 Chhatrapati Shivaji (1627-80)
Wife
Saibai Nimbalkar
Son
2 Shambaji (1680-80)
Wife - Yesubai
Son
5 Shahuji (1708-49)
Capital - Satara
Soyarabai
Son
3 Rajaram (1689-1700)
Wife
Tarabai (Kolhapur)
Son
4 Shivaji II (1700-1707)
Son
6 Rajaram II (1749-77)
Rajasbai
Son
Shambaji II (1707-1749)
Putlibai (became sati)

नाम	महत्वपूर्ण तथ्य
संभाजी महाराज **1680–1689**	○ **संगमेश्वर का युद्ध 1689** = हम्बीराव मोहिते शहीद + मुकर्रब खाँ ने गिरफ्तार कर लिया। ○ **तुलापुर में** 11 मार्च, 1689 को शंभाजी की मृत्यु हो गयी। ○ **कवि कलश** (कन्नौज का ब्राह्मण) = शम्भाजी का प्रधान सलाहकार
राजाराम महाराज **1689–1700**	○ **कभी भी राजसिंहासन पर नहीं बैठे**, क्योंकि इसका मानना था कि इस गद्दी पर शाहू-I का हक है। ○ प्रशासन में एक नवीन पद **'प्रतिनिधि' (पेशवा से ऊपर)** पद का सर्जन किया।
शिवाजी II (ताराबाई राजाराम की पत्नी; संरक्षिका)	○ वाराना की संधि (1731) : **सतारा (शाहू) और कोल्हापुर (शिवाजी द्वितीय)** ○ 1707 : बहादुरशाह ने शाहू (शंभाजी का पुत्र) को मुक्त कर दिया। ○ **12 अक्टूबर 1707 : खेड़ा के युद्ध** में **ताराबाई और शाहू** और बालाजी विश्वनाथ की सहायता से शाहू विजयी
छत्रपति शाहू महाराज I (सतारा) : 1707–1749	○ **शाहू ने सेनाकर्ते** नामक नवीन पद का सर्जन किया, जिस पर पहली नियुक्ति **बालाजी विश्वनाथ** की की। ○ 1713 में बालाजी **विश्वनाथ को पेशवा बनाया** (6th पेशवा) + दिल्ली पर मराठा दबदबे (1719)
राजाराम II / रामराजा (छत्रपति, सतारा) : 1749–1777	○ 1750 में **पेशवा बालाजी बाजीराव से राजाराम द्वितीय ने संगोला की संधि** कर ली ○ **छत्रपति नाम मात्र का प्रधान** रह गया तथा सतारा के किले में बंदी की तरह जीवन व्यतीत करने लगा।

Name	Important Facts
Sambhaji Maharaj 1680–1689	○ **Battle of Sangameshwar 1689 =** Hambirrao Mohite martyred + Captured by Muqarrab Khan ○ Sambhaji died on March 11, 1689 at Tulapur ○ Kavi Kalash (Brahmin from Kannauj) = Sambhaji's chief advisor
Rajaram Maharaj 1689–1700	○ **Never ascended the throne**, believing it rightfully belonged to Shahu I ○ Created a new position 'Pratinidhi' (above Peshwa) in administration
Shivaji II (Tarabai, wife of Rajaram; Regent)	○ Treaty of Varana (1731) : **Satara (Shahu) and Kolhapur (Shivaji II)** ○ 1707 : Bahadur Shah released Shahu (son of Sambhaji) ○ October 12, 1707: Battle of Khed, Shahu defeated Tarabai with assistance from Balaji Vishwanath
Chhatrapati Shahu Maharaj I (Satara) : 1707–1749	○ Shahu created a new position called Senapati, first appointment was **Balaji Vishwanath** ○ In 1713, **Balaji Vishwanath was made Peshwa** (6th Peshwa) + Maratha dominance over Delhi (1719)
Rajaram II/Ramraja (Chhatrapati, Satara) : 1749–1777	○ In 1750, **Rajaram II signed the Treaty of Sangola with Peshwa Balaji Baji Rao** ○ The Chhatrapati remained a nominal head and lived like a prisoner in Satara fort

MARATHA
EMPIRE

Question : 1

Which Maratha ruler founded the Maratha Empire in 1674, proclaiming himself Chhatrapati?

1674 में स्वयं को छत्रपति घोषित कर मराठा साम्राज्य की स्थापना किसने की?

(a) Sambhaji / संभाजी

(b) Shahu / शाहू

(c) Shivaji / शिवाजी

(d) Bajirao I / बाजीराव प्रथम

[SSC Steno, 07/08/2025, Shift-2]

ANSWER:- C

Question : 2

What does the term "Kunbis" refer to in Maratha society?

मराठा समाज में "कुनबी" शब्द किसके लिए प्रयुक्त होता है?

(a) Warrior caste / योद्धा वर्ग

(b) Temple priests / मंदिर के पुजारी

(c) Peasant-pastoralists / कृषक-पशुपालक

(d) Merchant bankers / व्यापारी-बैंकर

[SSC CGL Tier 1, 25 Sep 2025, Shift-3]

ANSWER:- C

Question : 3

What was the name of the principal minister in the Maratha kingdom?

मराठा राज्य में प्रधान मंत्री को क्या कहा जाता था?

(a) Nawab / नवाब

(b) Peshwa / पेशवा

(c) Diwan / दीवान

(d) Subedar / सूबेदार

[SSC CHSL, 22 Nov 2025, Shift-2]

ANSWER:- B

Question : 4

In historical texts, Baji Rao I is popularly referred to as:

ऐतिहासिक ग्रंथों में बाजीराव प्रथम को किस नाम से जाना जाता है?

(a) Peshwa Vishwajeet / पेशवा विश्वजीत

(b) Balaji Rao / बालाजी राव

(c) Baji Rao Ballal / बाजीराव बल्लाल

(d) Shahu's Commander / शाहू का सेनापति

[SSC CGL Tier 1, 24 Sep 2025, Shift-3]

ANSWER:- C

Question : 5

After Shivaji's death, which group gained effective political power in the Maratha state?

शिवाजी की मृत्यु के बाद मराठा राज्य में वास्तविक राजनीतिक शक्ति किसके पास आई?

(a) Mughals / मुगल

(b) Deshmukhs / देशमुख

(c) Kunbis / कुनबी

(d) Chitpavan Brahmanas / चितपावन ब्राह्मण

[SSC CGL Tier 1, 25 Sep 2025, Shift-1]

ANSWER:- D

Question : 6

From which decade did Maratha campaigns into Rajasthan create major pressure on principalities?

राजस्थान में मराठों के आक्रमण किस दशक से राज्यों पर भारी दबाव डालने लगे?

(a) 1560s / 1560 का दशक

(b) 1620s / 1620 का दशक

(c) 1680s / 1680 का दशक

(d) 1740s / 1740 का दशक

[SSC CHSL, 19 Nov 2025, Shift-3]

ANSWER:- D

Question : 7

Shivaji's exploits against which forces made him a legendary figure?

शिवाजी के किस शक्तियों के विरुद्ध पराक्रम ने उन्हें महान बना दिया?

I. Mughal / मुगल

II. Bijapur / बीजापुर

(a) Only I / केवल I

(b) Only II / केवल II

(c) Both I and II / I और II दोनों

(d) Neither I nor II / न I न II

[SSC CHSL, 13 Nov 2025, Shift-1]

ANSWER:- C

Question : 8

Who succeeded Chhatrapati Shivaji Maharaj as ruler?

छत्रपति शिवाजी महाराज के बाद शासक कौन बना?

(a) Chhatrapati Shahu/छत्रपति शाहू

(b) Chhatrapati Rajaram/छत्रपति राजाराम

(c) Chhatrapati Sambhaji/छत्रपति संभाजी

(d) Maharani Tarabai/महारानी ताराबाई

[SSC CHSL, 19 Nov 2025, Shift-3]

ANSWER:- C

Question : 9

Who were the parents of Shivaji Maharaj?

शिवाजी महाराज के माता-पिता कौन थे?

(a) Shahaji and Jijabai / शाहाजी और जीजाबाई

(b) Sambhaji and Saibai / संभाजी और साईबाई

(c) Dada Konddev and Jijabai / दादाजी कोंडदेव और जीजाबाई

(d) Shahaji and Saibai / शाहाजी और साईबाई

[SSC CHSL, 14 Nov 2025, Shift-3]

ANSWER:- A

Question : 10

Who was the father of Baji Rao I?

बाजीराव प्रथम के पिता कौन थे?

(a) Peshwa Balaji Vishwanath / पेशवा बालाजी विश्वनाथ

(b) Shahu ji Maharaj / शाहू जी महाराज

(c) Raghunath Rao / रघुनाथ राव

(d) None of these/ इनमें से कोई नहीं

[SSC CHSL, 24 Nov 2025, Shift-3]

ANSWER:- A

Question : 11

Which military strategy did Shivaji often use against his opponents?

शिवाजी अपने विरोधियों के विरुद्ध किस सैन्य रणनीति का अक्सर उपयोग करते थे?

(a) Open field battle / खुला युद्ध

(b) Warfare with elephants / हाथियों के साथ युद्ध

(c) Guerrilla warfare / गुरिल्ला युद्ध

(d) Siege tactics / घेराबंदी की रणनीति

[SSC CHSL, 21 Nov 2025, Shift-3]

ANSWER:- c

Question : 12

Ujjain expanded under the patronage of which Maratha chief?

उज्जैन का विकास किस मराठा प्रमुख के संरक्षण में हुआ?

(a) Holkar / होल्कर

(b) Gaikwad / गायकवाड़

(c) Bhonsale / भोंसले

(d) Sindhia / सिंधिया

[SSC CHSL, 26 Nov 2025, Shift-2]

ANSWER:- D

Question : 13

Where was Shivaji born?

शिवाजी का जन्म कहाँ हुआ था?

(a) In the fort of Shivner / शिवनेर दुर्ग में

(b) In Raigarh Fort / रायगढ़ दुर्ग में

(c) In Sinhgarh / सिंहगढ़ में

(d) None of the above / इनमें से कोई नहीं

[SSC CHSL (T-1) 2022]

ANSWER:- A

Question : 14

What was the name of the priest who performed Shivaji's coronation?

शिवाजी के राज्याभिषेक का अनुष्ठान किस पुजारी ने किया था?

(a) Ramdas / रामदास

(b) Tukaram / तुकाराम

(c) Kondev / कोंडदेव

(d) Gangabhat / गंगाभट्ट

[SSC GD 2018]

ANSWER:- D

Question : 15

Who was the political Guru and mentor of Shivaji?

शिवाजी के राजनीतिक गुरु और मार्गदर्शक कौन थे?

(a) Samarth Ramdas / समर्थ रामदास

(b) Shahaji Bhonsle / शाहाजी भोंसले

(c) Dadoji Kondadeo / दादाजी कोंडदेव

(d) None of these / इनमें से कोई नहीं

[HSSC 2020]

ANSWER:- C